1. **लघुबीजाणुजनन की प्रक्रिया में किस प्रकार का विभाजन होता है?**
   A. समसूत्री विभाजन
   B. अर्द्धसूत्री विभाजन
   C. असम विभाजन
   D. इनमें से कोई नहीं (B)

व्याख्या : लघुबीजाणुजनन की प्रक्रिया में बीजाणुजनक ऊतक की कोशिकाएँ अर्द्धसूत्री विभाजन द्वारा लघुबीजाणु चतुष्टय का निर्माण करती हैं।

2. **परागकण की बाह्य भित्ति किस पदार्थ से बनी होती है?**
   A. सेल्यूलोज B. पेक्टिन
   C. स्पोरोपोलैनिन D. लिग्निन (C)

व्याख्या : परागकण की बाह्य भित्ति स्पोरोपोलैनिन से बनी होती है, जो अत्यधिक प्रतिरोधक होती है और जीवाश्मों में संरक्षित रहती है।

3. **परागकणों का संरक्षण किस तापमान पर किया जाता है?**
   A. –10°C B. –80°C
   C. –196°C D. 0°C (C)

व्याख्या : परागकणों का दीर्घकालीन संरक्षण द्रव नाइट्रोजन में –196°C पर किया जाता है, जिसे क्रायोप्रिजर्वेशन कहते हैं।

4. **परागकण उत्पादों में कौन-से पोषक तत्व अधिक मात्रा में पाए जाते हैं?**
   A. विटामिन व खनिज
   B. कार्बोहाइड्रेट व प्रोटीन
   C. वसा व जल
   D. नाइट्रोजन व फास्फोरस (B)

व्याख्या : परागकण उत्पादों में कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन की प्रचुरता होती है, जो उन्हें ऊर्जा और पोषण का उत्कृष्ट स्रोत बनाती है।

5. **पाथेर्नियम (गाजर घास) किस प्रकार की समस्या का कारण बनता है?**
   A. दमा और श्वसन एलर्जी
   B. त्वचा संक्रमण
   C. पाचन विकार
   D. दृष्टि हानि (A)

व्याख्या : पाथेर्नियम के परागकण एलर्जी के प्रमुख कारणों में से हैं, जो दमा और श्वसनी शोथ उत्पन्न करते हैं।

6. **परागकणों का व्यास लगभग कितना होता है?**
   A. 5–10 माइक्रोमीटर
   B. 25–50 माइक्रोमीटर
   C. 75–100 माइक्रोमीटर
   D. 100–200 माइक्रोमीटर (B)

व्याख्या : सामान्यतः परागकणों का व्यास 25 से 50 माइक्रोमीटर के बीच होता है।

7. **परागकण का कौन-सा भाग आंतरिक भित्ति कहलाता है?**
   A. बाह्यचोल
   B. अन्तःचोल
   C. टैपेटम
   D. परागपुटी (B)

व्याख्या : परागकण की आंतरिक भित्ति अन्तःचोल कहलाती है, जो सेल्यूलोज और पेक्टिन से बनी होती है।

8. **परागकण की बाह्य भित्ति में स्पोरोपोलैनिन किस कारण से महत्वपूर्ण है?**
   A. यह परागकण को लचीला बनाता है
   B. यह विघटन से रक्षा करता है
   C. यह परागकण को सुगंधित बनाता है
   D. यह केवल प्रकाश को रोकता है (B)

व्याख्या : स्पोरोपोलैनिन एक अत्यधिक प्रतिरोधक पदार्थ है जो परागकणों को ऊष्मा, अम्ल और क्षार से बचाता है।

9. **आवृतबीजियों में परागकण किस अवस्था में झड़ते हैं?**
   A. एक-कोशिकीय अवस्था
   B. दो-कोशिकीय अवस्था
   C. तीन-कोशिकीय अवस्था
   D. चार-कोशिकीय अवस्था (B)

व्याख्या : आवृतबीजियों के परागकण सामान्यतः दो कोशिकीय अवस्था (कायिक कोशिका व जनन कोशिका) में झड़ते हैं।

10. **पराग व्यवहार्यता किन कारकों पर निर्भर करती है?**
    A. केवल प्रकाश पर
    B. तापमान और आर्द्रता पर
    C. मृदा की उर्वरता पर
    D. जल की उपलब्धता पर (B)

व्याख्या : पराग व्यवहार्यता तापमान और आर्द्रता पर निर्भर करती है; विभिन्न प्रजातियों में यह अवधि भिन्न होती है।